aglasem.com

कक्षा १२ अर्थशास्त्र नोट्स

राष्ट्रीय आय एवं सम्बद्ध समाहार



Key Notes and Important Questions with Answers

इकाई-V

राष्ट्रीय आय एवं सम्बद्ध समाहार

स्मरणीय बिन्दु

- **उपभोक्ता वस्तुएँ :** वे अंतिम वस्तुएँ जो प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता की मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं उपभोक्ता द्वारा क्रय की गई वस्तुएँ और सेवाएँ उपभोक्ता वस्तुएँ हैं।
- **पूँजीगत वस्तुएँ :** ये वे अंतिम वस्तुएँ हैं जो उत्पादन में सहायक होती हैं तथा आय सृजन के लिए प्रयोग की जाती हैं। ये उत्पादक की पूँजीगत परिसंपत्ति में वृद्धि करती हैं।
- **अंतिम वस्तुएँ :** वे वस्तुएँ जो उपभोग व निवेश के लिए उपलब्ध होती हैं ये पुनर्विक्रय या मूल्यवर्द्धन के लिए नहीं होती। उपभोक्ता द्वारा उपयोग सभी वस्तुएँ व सेवाएँ अंतिम वस्तुएँ होती हैं।
- **मध्यवर्ती वस्तुएँ :** वे वस्तुएँ हैं, जिनकी एक ही वर्ष में पुनः बिक्री की जा सकती हैं या अंतिम वस्तुओं के उत्पादन में कच्चे माल के रूप में प्रयोग की जाती हैं। ये प्रत्यक्ष रूप से मानव आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करती। उत्पादक द्वारा प्रयोग की गई सेवाएँ जैसे वकील की सेवाएँ; कच्चे माल का उपयोग।
- **निवेश :** एक निश्चित समय में पूंजीगत वस्तुओं के स्टॉक में वृद्धि निवेश कहलाता है। इसे पूंजी निर्माण भी कहते हैं।
- **मूल्यह्रास :** सामान्य टूट-फूट या अप्रचलन के कारण अचल परिसंपत्तियों के मूल्य में गिरावट को मूल्यह्रास या अचल पूंजी का उपभोग कहते हैं। मूल्यह्रास, स्थायी पूंजी के मूल्य को उसकी अनुमानित आयु (वर्षों में) से भाग करके ज्ञात किया जाता है।

- **सकल निवेश :** एक निश्चित समयावधि में पूँजीगत वस्तुओं के स्टॉक में कुल वृद्धि सकल निवेश कहलाती है। इसमें मूल्यह्रास शामिल होता है।
- **निवल निवेश :** एक अर्थव्यवस्था में एक निश्चित समयावधि में पूंजीगत वस्तुओं के स्टॉक में शुद्ध वृद्धि निवल निवेश कहलाता है। इसमें मूल्यह्रास शामिल नहीं होता है।

  निवल निवेश = सकल निवेश - घिसावट (मूल्य ह्रास)
- **आय के चक्रीय प्रवाह :** अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं एवं साधन सेवाओं तथा मौद्रिक आय के सतत् प्रवाह को आय का चक्रीय प्रवाह कहते हैं। इसकी प्रकृति चक्रीय होती है क्योंकि न तो इसका कोई आरम्भिक बिन्दु है और न ही कोई अन्तिम बिन्दु। वास्तविक प्रवाह उत्पादित सेवाओं तथा वस्तुओं और साधन सेवाओं का प्रवाह दर्शाता है। मौद्रिक प्रवाह उपभोग व्यय और साधन भुगतान के प्रवाह को दर्शाता है।
- **स्टॉक :** स्टॉक एक ऐसी मात्रा (चर) है जो किसी निश्चित समय बिन्दु पर मापी जाती है; जैसे राष्ट्रीय धन एवं सम्पत्ति, मुद्रा की आपूर्ति आदि।
- **प्रवाह :** प्रवाह एक ऐसी मात्रा(चर) है जिसे समय अवधि में मापा जाता है; जैसे राष्ट्रीय आय; निवेश आदि।
- **आर्थिक सीमा :** यह सरकार द्वारा प्रशासित व भौगोलिक सीमा है जिसमें व्यक्ति, वस्तु व पूँजी का स्वतंत्र प्रवाह होता है।
- **आर्थिक सीमा क्षेत्र :**

  1. राजनैतिक, समुद्री व हवाई सीमा।
  2. विदेशों में स्थित दूतावास, वाणिज्य दूतावास, सैनिक प्रतिष्ठान, राजनयिक भवन आदि।
  3. जहाज तथा वायुयान जो दो देशों के बीच आपसी सहमति से चलाए जाते हैं।
  4. मछली पकड़ने की नौकाएँ, तेल व गैस निकालने वाले यान तथा तैरने वाले प्लेटफार्म जो देशवासियों द्वारा चलाए जाते हैं।

- **सामान्य निवासी :** किसी देश का सामान्य निवासी उस व्यक्ति अथवा संस्था को माना जाता है जिसके आर्थिक हित उसी देश की आर्थिक सीमा में केन्द्रित हों जिसमें वह सामान्यत: एक वर्ष से रहता है।

- **उत्पादन का मूल्य :** एक उत्पादन इकाई द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित सभी वस्तुओं व सेवाओं का बाजार मूल्य उत्पादन का मूल्य कहलाता है।

  उत्पादन का मूल्य = बेची गई इकाई × बाजार कीमत + स्टॉक में परिवर्तन।

- **साधन आय :** उत्पादन के साधनों (श्रम, भूमि, पूँजी तथा उद्यम) द्वारा उत्पादन प्रक्रिया में प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त आय, साधन आय कहलाती है। जैसे, वेतन व मजदूरी, किराया, ब्याज आदि।

- **हस्तांतरण भुगतान :** यह एक पक्षीय भुगतान होते हैं जिनके बदले में कुछ नहीं मिलता है। बिना किसी उत्पादन सेवा के प्राप्त आय। जैसे वृद्धावस्था पेंशन, कर, छात्रवृत्ति आदि।

- **पूँजीगत लाभ :** पूँजीगत सम्पत्तियों तथा वित्तीय सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि, जो समय बीतने के साथ होती है, यह क्रय मूल्य से अधिक मूल्य होता है। यह सम्पत्ति की बिक्री के समय प्राप्त होता है।

- **कर्मचारियों का पारिश्रमिक :** श्रम साधन द्वारा उत्पादन प्रक्रिया में प्रदान की गई साधन सेवाओं के लिए किया गया भुगतान (नगर व वस्तु) कर्मचारियों का पारिश्रमिक कहलाता है। इसमें वेतन, मजदूरी, बोनस, नियोजकों द्वारा सामाजिक सुरक्षा में योगदान शामिल होता है।

- **परिचालन अधिशेष :** उत्पादन प्रक्रिया में श्रम को कर्मचारियों का पारिश्रमिक का भुगतान करने के पश्चात् जो राशि बचती है। यह किराया, ब्याज व लाभ का योग होता है।

घरेलू समाहार

- **बाज़ार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) :** एक वर्ष की अवधि में देश के भौगोलिक सीमा के अन्तर्गत उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्यों के योग को बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

- **बाजार कीमत पर निवल देशीय उत्पाद (NDP_{MP}) :**

  $NDP_{MP} = GDP_{MP}$ – मूल्यह्रास

- **देशीय आय (NDP_{FC}) :** एक देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में उत्पादन कारकों की आय का योग, जो कारकों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बदले प्राप्त होती है को दशीय आय कहते हैं।

$NDP_{FC} = GDP_{MP}$ – मूल्यह्रास – निबल अप्रत्यक्ष कर।

राष्ट्रीय समाहार

- **बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP}) :** एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक वर्ष में देश की घरेलू सीमा व विदेशों में उत्पादित अंतिम वस्तुओं व सेवाओं के बाजार मूल्यों के योग को GNP_{MP} कहते हैं।

  बाजार कीमत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{MP}):

  $NNP_{MP} = GNP_{MP}$ – मूल्यह्रास

- **राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) :** एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में देश की घरेलू सीमा व शेष विश्व से अर्जित साधन आय का योग राष्ट्रीय आय कहलाती है।

  $NNP_{FC} = NDP_{FC} + NFIA$ = राष्ट्रीय आय

- **क्षरण :** आय के चक्रीय प्रवाह से निकाली गई राशि (मुद्रा के रूप में) की क्षरण कहते हैं; जैसे कर, बचत तथा आयात को क्षरण कहते हैं।

- **भरण :** आय के चक्रीय प्रवाह में डाली गई राशि (मुद्रा की मात्रा) को भरण कहते हैं; जैसे निवेश, सरकारी व्यय, निर्यात।

- **वर्धित मूल्य (मूल्यवृद्धि) :** किसी उत्पादन इकाई द्वारा निश्चित समय में किए गए उत्पादन के मूल्य तथा प्रयुक्त मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य का अंतर वर्धित मूल्य कहलाता है।

- **दोहरी गणना की समस्या :** राष्ट्रीय आय आंकलन में जब किसी वस्तु के मूल्य की एक से अधिक बार गणना की जाती है उसे दोहरी गणना कहते हैं। इससे राष्ट्रीय आय अधिमूल्यांकन दर्शाता है। इसलिए इसे दोहरी गणना की समस्या कहते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण समीकरण

- सकल = निवल (शुद्ध) + मूल्यह्रास (स्थायी पूँजी का उपभोग)
- राष्ट्रीय = घरेलू + विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय।
- बाजार कीमत = साधन लागत + निवल अप्रत्यक्ष कर (NIT)
- निवल अप्रत्यक्ष कर (NIT) = अप्रत्यक्ष कर – सहायिकी (आर्थिक सहायता)
- विदेशों से शुद्ध साधन आय (कारक) = विदेशों से साधन आय – विदेशों को साधन आय

राष्ट्रीय आय अनुमानित (मापने) करने की विधियाँ

आय विधि

प्रथम चरण

साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद/निवल घरेलू साधन आय (NDP_{FC}) = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + प्रचालन अधिशेष + स्वयं नियोजितों की मिश्रित आय।

द्वितीय चरण

साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद / राष्ट्रीय आय = साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद + विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय।

$$NNP_{FC} = NDP_{FC} + NFIA$$

उत्पाद विधि अथवा वर्धित मूल्य विधि

प्रथम चरण

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद = प्राथमिक क्षेत्र द्वारा सकल वर्धित मूल्य + द्वितीयक क्षेत्र द्वारा सकल वर्धित मूल्य + तृतीयक क्षेत्र द्वारा सकल वर्धित मूल्य।

या

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) = बिक्री + स्टॉक में परितर्वन – मध्यवर्ती उपभोग।

द्वितीय चरण

बाजार कीमत पर निवल घरेलू उत्पाद NDP_{MP} = बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद GDP_{MP} – मूल्यह्रास।

तृतीय चरण

साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) = बाजार कीमत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT)

चतुर्थ चरण

साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद / राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) + विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय (NFIA)

व्यय विधि

प्रथम चरण

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद = निजी अंतिम उपयोग व्यय + सरकारी अंतिम उपयोग व्यय + सकल घरेलू पूँजी निर्माण + शुद्ध/निवल निर्यात्

$GDP_{MP} = C + G + I + (X – M)$

द्वितीय चरण

बाजार कीमत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) = बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) – मूल्यह्रास।

तृतीय चरण

साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) = बाजार कीमत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT)

चतुर्थ चरण

साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद/राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) + विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय (NFIA)

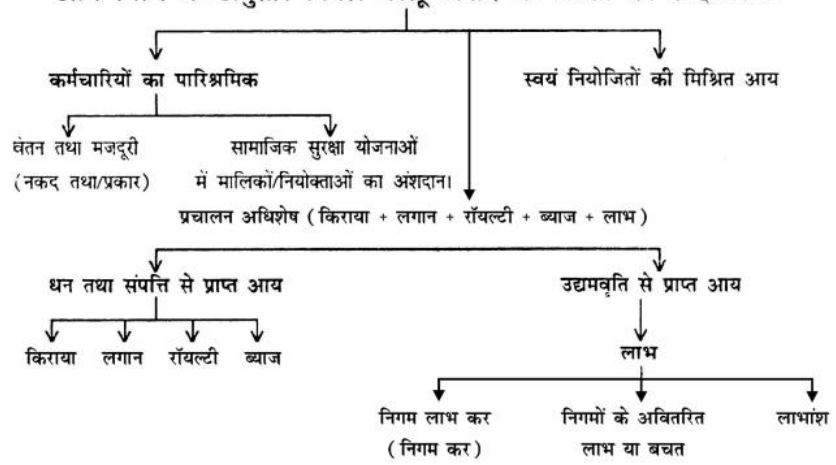
- **विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय (NFIA) :** देश के सामान्य निवासियों द्वारा विदेशों को प्रदान की गई साधन सेवाओं से प्राप्त आय तथा विदेशों को दी गई साधन आय के बीच के अंतर को विदेशों से प्राप्त निवल साधन आय कहते हैं। इसके निम्न घटक होते हैं-

  1. कर्मचारियों का निवल पारिश्रमिक
  2. सम्पत्ति तथा उद्यमवृत्ति से निवल आय तथा
  3. विदेशों से निवासी कम्पनियों की शुद्ध प्रतिधारित आय।

- **चालू हस्तांतरण :** वह गैर-अर्जित आय जो देने वाले (Doner) के चालू आय में से निकलता है और प्राप्त करने वाले (Recipient) के चालू आय में जोड़ा जाता है, उसे चालू हस्तांतरण आय कहते हैं।

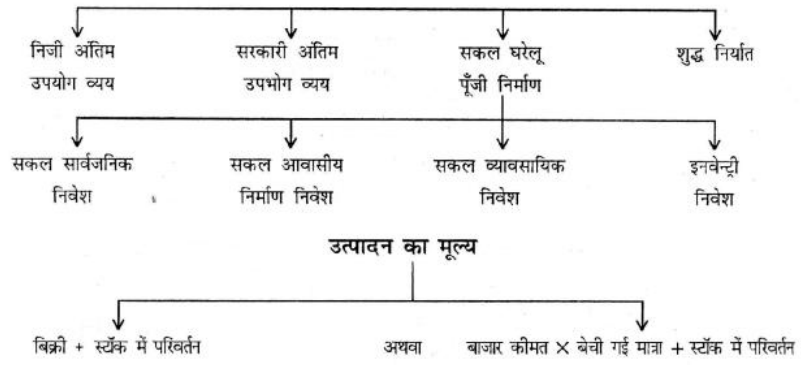
- **पूँजीगत हस्तांतरण :** वह गैर-अर्जित आय जो देने वाले के धन तथा पूँजी से निकलता है तथा प्राप्त करने वाले के धन तथा पूँजी में शामिल होता है, उसे पूंजीगत हस्तांतरण कहते हैं।

आय विधि के अनुसार निवल घरेलू उत्पाद के घटकों का संक्षिप्तसार



मूल्यवधित या उत्पाद विधि के अनुसार घटकों का संक्षिप्त सार।

व्यय विधि के अनुसार बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के घटकों का संक्षिप्तसार



टिप्पणी: स्टॉक में परिवर्तन = अंतिम स्टॉक - प्रारम्भिक स्टॉक

सावधानियां:–

1. मूल्यवर्द्धित विधि:–

(i) दोहरी गणना का त्याग।

(ii) वस्तुओं के पुनः विक्रय को सम्मिलित नहीं करते।

(ii) स्वउपयोग के लिए उत्पादित वस्तु को सम्मिलित किया जाता है।

2. आय विधि:–

(i) हस्तांतरण आय को सम्मिलित नहीं करते है

(ii) पूजीगत लाभ को सम्मिलित नहीं करते।

(iii) स्वउपयोग उत्पादित वस्तु से उत्पन्न आय को सम्मिलित करते हैं।

(iv) उत्पाद कर्त्ता द्वारा प्रस्तु मुफ्त सेवाओं को सम्मिलित करते हैं।

3. व्यय विधि:–

(i) मध्यवर्ती व्यय को सम्मिलित नहीं

(ii) पुनः विक्रय वस्तुओं पर रूपको सम्मिलित नहीं करते।

(iii) वित्तिय परिसम्पतियों पर व्यय सम्मिलित नहीं करते।

(iv) हस्तांत्तरण भुगतान का त्याग

GDP दो प्रकार की होता है।

1. **वास्तविक GDP :** एक देश के भौगोलिक सीमा के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तओं एवं सेवाओं का, यदि मूल्यांकन आधार वर्ष की कीमतों (स्थिर कीमतों) पर किया जाता है तो उसे वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं। इसे स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद भी कहते हैं। यह केवल उत्पादन मात्रा में परिवर्तन के कारण परिवर्तित होता हैं इसे आर्थिक विकास का एक सूचक माना जाता है।

2. **मौद्रिक GDP :** एक देश के भौगोलिक सीमा के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का, यदि मूल्यांकन चालू वर्ष की कीमतों (चालू कीमतों) पर किया जाता है तो उसे मौद्रिक GDP कहते हैं। इसे चालू कीमतों पर GDP भी कहते हैं। यह उत्पादन मात्रा तथा कीमत स्तर दोनों में परिवर्तन से प्रभावित होता है। इसे आर्थिक विकास का एक सूचक नहीं माना जाता है।

   मौद्रिक GDP का वास्तविक GDP में रूपांतरण

$$\text{वास्तविक GDP} = \frac{\text{मौद्रिक GDP}}{\text{कीमत सूचकांक}} \times 100$$

   चूँकि कीमत सूचकांक चालू कीमत अनुमानों को घटाकर स्थिर कीमत अनुमान के रूप में लाने हेतु एक अपस्फायक की भूमिका अदा करता है। इसलिए इसे सकल घरेलू उत्पाद अपस्फायक कहा जाता है।

- **सकल घरेलू उत्पाद एवं कल्याण :** सामान्यत: सकल घरेलू उत्पाद एवं कल्याण में प्रत्यक्ष संबंध होता है। उच्चतर GDP का अर्थ है वस्तुओं एवं सेवाओं के अधिक उत्पादन का होना। इसका तात्पर्य है कि वस्तुओं एवं सेवाओं की अधिक उपलब्धता। परन्तु इसका अर्थ यह निकालना कि लोगों का कल्याण पहले से अच्छा है, आवश्यक नहीं है। दूसरे शब्दों में, उच्चतर GDP का तात्पर्य लोगों के कल्याण में वृद्धि का होना, आवश्यक नहीं है।

- **कल्याण :** इसका तात्पर्य लोगों के भौतिक सुख-सुविधाओं से है। यह अनेक आर्थिक एवं गैर-आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है। आर्थिक कारक जैसे राष्ट्रीय आय, उपभोग का स्तर आदि और गैर-आर्थिक कारक जैसे पर्यावरण प्रदूषण, कानून व्यवस्था, सामाजिक अशांति आदि। वह कल्याण जो आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है उसे आर्थिक कल्याण तथा जो गैर-आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है उसे गैर आर्थिक कल्याण कहा जाता है। दोनों के योग को सामाजिक कल्याण कहा जाता है।

  निष्कर्ष : दोनों में अर्थात् GDP एवं कल्याण में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है परन्तु यह संबंध निम्नलिखित कारणों से अपूर्ण एवं अधूरा है। GDP को आर्थिक कल्याण के सूचक के रूप में सीमाएँ निम्न हैं-

  1. **बाह्यताएँ :** इससे तात्पर्य व्यक्ति या फर्म द्वारा की गई उन क्रियाओं से है जिनका बुरा (या अच्छा) प्रभाव दूसरों पर पड़ता है लेकिन इसके लिए उन्हें दण्डित (लाभान्वित) नहीं किया जाता। उदाहरण - कारखानों का धुँआ (नकारात्मक बाह्यताएँ) तथा फ्लाईओवर का निर्माण (सकारात्मक बाह्यताएँ)।

  2. **GDP की संरचना :** यदि GDP में वृद्धि, युद्ध सामग्री के उत्पादन में वृद्धि के कारण हैं तो GDP में वृद्धि से कल्याण में वृद्धि नहीं होगी।

  3. **GDP का वितरण :** GDP में वृद्धि से कल्याण में वृद्धि नहीं होगी यदि आय का असमान वितरण है, अमीर अधिक अमीर हो जाएंगे तथा गरीब अधिक गरीब हो जाएंगे।

  4. **गैर-मात्रिक लेन-देन :** GDP में कल्याण को बढ़ाने वाले गैर मौद्रिक लेन-देन को शामिल नहीं किया जाता है।

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न
(1 अंक)

प्र. 1. चक्रीय प्रवाह के दो प्रकार कौन से हैं?

उत्तर. चक्रीय प्रवाह के दो प्रकार हैं : (i) वास्तविक प्रवाह (ii) मौद्रिक प्रवाह

प्र. 2. स्टॉक चर क्या है?

उत्तर. स्टॉक चरों से अभिप्राय उन चरों से होता है जिन्हें एक निश्चित समय बिन्दु पर मापा जाता है।

प्र. 3. उपभोग वस्तुओं को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. उपभोग वस्तुओं से अभिप्राय उन वस्तुओं से है जो उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को प्रत्यक्ष रूप से संतुष्ट करती है।

प्र. 4. चालू हस्तांतरण को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. चालू हस्तांतरण से अभिप्राय उस हस्तांतरण से है जो अदाकर्ता की चालू आय में से किये जाते हैं और प्राप्तकर्त्ता की चालू आय में जोड़े जाते हैं।

प्र. 5. पूँजी निर्माण को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. पूँजी निर्माण से अभिप्राय एक अर्थव्यवस्था के पूँजीगत स्टॉक में वृद्धि से होता है।

प्र. 6. मिश्रित आय किसे कहते हैं?

उत्तर. मिश्रित आय से अभिप्राय स्व-लेखा श्रमिकों और अनिगमित उद्यमों द्वारा सृजित आय से होता है।

प्र. 7. निर्यात को घरेलू आय में क्यों जोड़ा जाता है?

उत्तर. निर्यात को देश की घरेलू सीमा के अंदर उत्पादित किया जाता है इसलिए यह घरेलू आय में जोड़ा जाता हैं

प्र. 8. वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद क्या है?

उत्तर. जब एक दिए गए वर्ष की सकल घरेलू उत्पाद की गणना आधार वर्ष की कीमत के आधार पर की जाती है तब इसे वास्तविक GDP कहते हैं।

प्र. 9. कब उत्पादन का मूल्य, मूल्य वृद्धि के बराबर होता है?

उत्तर. उत्पादन का मूल्य, मूल्य वृद्धि के बराबर जब होता है, तब मध्यवर्ती लागतें शून्य होती हैं।

प्र. 10. राष्ट्रीय आय को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. राष्ट्रीय आय से अभिप्राय देश के देश के सामान्य निवासियों द्वारा प्राप्त साधन आय के जोड़ के मूल्य से है।

लघु उत्तरीय प्रश्न
3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. कारक (साधन) लागत पर सकल मूल्य वृद्धि ज्ञात कीजिए।

(i)	उत्पादन इकाइयों की बिक्री (इकाई)	1000
(ii)	कीमत प्रति उत्पादन इकाई (रु.)	30
(iii)	मूल्यह्रास (रु.)	1000
(iv)	मध्यवर्ती लागत (रु.)	12000
(v)	अन्तिम स्टॉक (रु.)	3000
(vi)	आरम्भिक स्टॉक (रु.)	2000
(vii)	उत्पादन शुल्क (रु.)	2500
(viii)	बिक्री कर (रु.)	3500

उत्तर. कारक लागत पर सकल मूल्य वृद्धि =

GVA_{FC} (i × ii) + (v – vi) – (iv) – (vii + viii)

= (1000 × 30) + [3000 – 2000] – 12000 – [2500 + 3500]

= रु. 13000

प्र. 2. कारक लागत पर निवल मूल्य वृद्धि ज्ञात कीजिए-

(i)	अचल पूँजी का उपभोग (रु.)	600
(ii)	आयात शुल्क (रु.)	400

(iii) उत्पादन बिक्री (इकाई) 2000

(iv) कीमत प्रति उत्पादन इकाई (रु.) 10

(v) स्टॉक में शुद्ध वृद्धि (रु.) (–)50

(vi) मध्यवर्ती लागत (रु.) 10000

(vii) आर्थिक सहायता (रु.) 50

उत्तर. कारक लागत पर निवल मूल्य वृद्धि NVA_{FC} = (iii × iv) + v – vi – ii + vii – i

= (2000 × 10) + (–50) – 10000 – 400 + 500 – 600

= रु. 9450.

प्र. 3. बाजार कीमत पर निवल मूल्य वृद्धि ज्ञात कीजिए–

(i) उत्पादन की बिक्री (इकाई) 800

(ii) उत्पादन की प्रति इकाई कीमत (रु.) 20

(iii) उत्पादन शुल्क (रु.) 1600

(iv) आयात शुल्क (रु.) 400

(v) स्टॉक में शुद्ध वृद्धि (रु.) (–)500

(vi) मूल्यह्रास (रु.) 1000

(vii) मध्यवर्ती लागत (Rs.) 8000

उत्तर. बाजार मूल्य पर निवल मूल्य वृद्धि (NVA_{MP})

= (i × ii) + v – vii – vi

= (800 × 20) + (–500) – 8000 – 1000 = Rs. 6500.

प्र. 4. यदि वास्तविक आय रु. 200 करोड़ है और कीमत सूचकांक 135 हो तो मौद्रिक आय का परिकलन कीजिए।

उत्तर. वास्तविक आय $= \frac{\text{मौद्रिक आय}}{\text{कीमत सूचकांक}} \times 100$

$$\text{मौद्रिक आय} = \frac{\text{वास्तवित आय} \times \text{कीमत सूचकांक}}{100}$$

$$\text{मौद्रिक आय} = \frac{200 \times 135}{100}$$

= 270 करोड़ रु.

प्र. 5. यदि मौद्रिक आय रु. 375 करोड़ हो और कीमत सूचकांक 125 हो तो वास्तविक आय का परिकलन कीजिए।

उत्तर. $$\text{वास्तविक आय} = \frac{\text{मौद्रिक आय}}{\text{कीमत सूचकांक}} \times 100$$

$$= \frac{375 \times 100}{125}$$

वास्तविक आय = 300 करोड़ रु.

प्र. 6. यदि वास्तविक सकल देशीय उत्पाद रु. 200 हो और मौद्रिक सकल देशीय उत्पाद रु. 210 हो तो कीमत सूचकांक (आधार = 100) का परिकलन कीजिए।

उत्तर. $$\text{कीमत सूचकांक} = \frac{\text{मौद्रिक सकल देशीय उत्पाद}}{\text{वास्तविक सकल देशीय उत्पाद}} \times 100$$

$$= \frac{210}{200} \times 100$$

= 105

प्र. 7. कारण बताते हुए निम्नलिखित को मध्यवर्ती उत्पाद व अन्तिम उत्पाद में वर्गीकृत कीजिए।

(i) स्कूल द्वारा खरीदा गया फर्नीचर

(ii) स्कूल कैंटीन द्वारा शीतल पेय की खरीद

उत्तर. (i) यह अन्तिम उत्पाद है क्योंकि खरीदा गया फर्नीचर स्थिर संपत्ति का क्रय होने के कारण निवेश है।

(ii) शीतल पेय की खरीद मध्यवर्ती उत्पाद है क्योंकि यह उसी वर्ष पुनः बिक्री के लिए उपलब्ध है।

प्र. 8. कारण बताते हुए समझाइए कि राष्ट्रीय आय का आंकलन करते समय निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार किया जाता है-

(i) परिवार के सदस्य, परिवार के खेत में मुफ्त में कार्य करें।

(ii) सामान्य सरकार द्वारा लिए गए उधार पर ब्याज का भुगतान।

उत्तर. (i) परिवार के सदस्यों का आरोपित वेतन राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा, क्योंकि उन्होंने कृषि में अपना योगदान दिया है।

(ii) चूँकि सरकार द्वारा लिया गया ऋण उपभोग कार्यों के लिए माना जाता है इसलिए इस ऋण पर ब्याज राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होगा।

प्र. 9. कारण बताते हुए समझाइए कि राष्ट्रीय आय का आंकलन करते समय निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार किया जाता है-

(i) अभिभावक द्वारा बच्चों को दिया जाने वाला जेब खर्च

(ii) मालिकों द्वारा कर्मचारियों को ब्याज रहित ऋण।

उत्तर. (i) शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि यह अभिभावकों द्वारा बच्चों को दिया गया हस्तांतरण भुगतान है।

(ii) शामिल किया जाएगा क्योंकि यह कर्मचारियों को भुगतान का एक तरीका है। यह कर्मचारियों के पारिश्रमिक में शामिल होता है।

प्र. 10. वस्तुओं को मध्यवर्ती तथा अन्तिम वस्तुओं में वर्गीकरण के आधार पर व्याख्या कीजिए। उचित उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर. **मध्यवर्ती वस्तुएँ :** ऐसी वस्तुएँ जो एक उत्पादन इकाई द्वारा दूसरी उत्पादन इकाई से पुनर्विक्रय या उसी वित्तीय वर्ष के दौरान उत्पादन के लिए प्रयुक्त की जाती हैं।

अथवा

एक फर्म द्वारा दूसरी फर्म से क्रय की गयी गैर टिकाऊ वस्तुएं जो उत्पादन में प्रयुक्त की जाती हैं।

अन्तिम वस्तुएँ : वे वस्तुएँ जो उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग के लिए या

उत्पादकों द्वारा निवेश के लिए प्रयुक्त होती हैं अन्तिम वस्तुएँ कहलाती हैं; जैसे - फैक्ट्री में मशीन लगाना।

प्र. 11. कारण देते हुए निम्नलिखित को मध्यवर्ती व अन्तिम वस्तुओं में वर्गीकृत कीजिए। (i) मशीन के डीलर द्वारा खरीदी गई मशीन (ii) एक गृहस्थ द्वारा खरीदी गई कार।

उत्तर. (i) यह एक मध्यवर्ती वस्तु है क्योंकि इसे बाजार में पुनः बिक्री के लिए खरीदा गया है।

(ii) यह अन्तिम वस्तु है क्योंकि इसे अन्तिम उपभोग के लिए खरीदा गया है।

प्र. 12. राष्ट्रीय आय की गणना करते समय आप निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार करेंगे? अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए।

(i) शेयर धारक द्वारा कम्पनी से प्राप्त शेयरों का मूल्य।

(ii) भारत में विदेशी कम्पनी को दिए गए ऋण से प्राप्त ब्याज।

उत्तर. (i) यह राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होगा क्योंकि यह वित्तीय पूँजी की वापसी है वस्तु या सेवा नहीं।

(ii) यह शामिल किया जाएगा क्योंकि ब्याज देशीय आय की कारक आय है।

प्र. 13. सरकार बाल टीकाकरण कार्यक्रम पर व्यय करती है। इसके घरेलू उत्पाद और कल्याण पर प्रभाव समझाइए।

उत्तर. सरकार द्वारा बाल टीकाकरण कार्यक्रम पर व्यय करने से (GDP) सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी क्योंकि यह सरकारी अंतिम उपभोग व्यय है। यह लोगों के कल्याण को भी बढ़ाता है क्योंकि इस कार्यक्रम से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा जिससे लोगों की कार्यकुशलता में भी वृद्धि होगी।

प्र. 14. पैट्रोल तथा डीजल कारों की बिक्री, विशेषतया बड़े शहरों में निरंतर बढ़ रही है। इसके सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण पर पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. कारों की बिक्री से सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी। क्योंकि ये अंतिम उत्पाद है। कारों से यातायात सुलभ होता है लेकिन इनसे वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण

तथा ट्रेफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है जिससे लोगों के कल्याण में कमी आती है क्योंकि प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा/प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

6 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. भारत की राष्ट्रीय आय की गणना करते समय आप निम्न के साथ क्या व्यवहार करेंगे?

उत्तर. (1) एक भारतीय द्वारा विदेशी कम्पनी के शेयरों में निवेश से प्राप्त लाभांश।

(2) एक भारतीय परिवार द्वारा उनके विदेशों में कार्यरत सम्बन्धियों से प्राप्त धन।

(3) एक मित्र को कार खरीदने के लिए दिए गए ऋण पर प्राप्त ब्याज।

(4) एक विदेशी को एक भारतीय कम्पनी के अंशों में किए गए निवेश से प्राप्त लाभांश।

(5) कनाडा में एक भारतीय बैंक की शाखा द्वारा अर्जित लाभ।

(6) एक विदेशी कम्पनी द्वारा भारत में पढ़ रहे भारतीय विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति।

(7) विद्यार्थियों द्वारा शुल्क का भुगतान

(8) एक व्यक्ति द्वारा कार खरीदने के लिए गए ऋण पर ब्याज भुगतान।

(9) एक फर्म में मशीन की स्थापना पर व्यय।

(10) गलियों में प्रकाश व्यवस्था पर सरकारी व्यय।

(11) एक कम्पनी के शेयरों की कीमतों में वृद्धि।

(12) भारतीय निवासी द्वारा विदेश में कार्यरत फर्मों से ब्याज की प्राप्ति।

(13) भारत में स्थित विदेशी बैंक की शाखा में कार्यरत भारतीयों द्वारा प्राप्त वेतन।

(14) एक भारतीय बैंक की विदेश में स्थित शाखा द्वारा अर्जित लाभ।

(15) भारत में जापान दूतावास द्वारा निवासी भारतीयों को दिया गया किराया।

(16) स्वकाबिज मकान का आरोपित किराया।

(17) ऋण-पत्रों पर प्राप्त ब्याज।

(18) बाढ़ पीड़ितों को प्राप्त आर्थिक सहायता।

(19) विदेशी पर्यटकों द्वारा किया गया व्यय।

(20) नए मकान का निर्माण

उत्तर. (1) यह विदेशों से अर्जित साधन आय है अतः राष्ट्रीय आय में शामिल होगा।

(2) यह धनराशि भारत की राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होगी क्योंकि यह मात्र अन्तरण आय है।

(3) शामिल नहीं होगा क्योंकि ऋण उपभोग कार्य के लिए दिया गया है उत्पादन में प्रयोग नहीं किया गया।

(4) यह लाभांश भारत की राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होगा। (एक ऋणात्मक घटक के रूप में), क्योंकि यह विदेशों को भारत से कारक आय है।

(5) शामिल होगा क्योंकि यह विदेशों से कारक आय है।

(6) शामिल नहीं होगी, क्योंकि यह हस्तांतरण आय है।

(7) शामिल किया जाएगा, क्योंकि यह निजी उपभोग व्यय है।

(8) शामिल नहीं होगा क्योंकि लिया गया ऋण उपभोग के लिए है, उत्पादन के लिए नहीं।

(9) शामिल होगा, पूँजी निर्माण पर व्यय है।

(10) शामिल होगा, क्योंकि यह सरकार द्वारा मुफ्त सेवाएँ देने पर होने वाला व्यय है।

(11) शामिल नहीं होगा क्योंकि यह पूँजीगत लाभ है तथा इसका उत्पादन से कोई सम्बन्ध नहीं है।

(12) शामिल होगा, क्योंकि यह विदेशों से कारक आय है।

(13) शामिल किया जाएगा क्योंकि यह भारतीय निवासियों द्वारा प्राप्त की गयी आय है।

(14) शामिल होगा क्योंकि यह विदेशों से कारक आय है।

(15) शामिल किया जाएग, क्योंकि यह विदेशों से प्राप्त कारक आय है।

(16) शामिल किया जाएगा, क्योंकि यह कारक आय है।

(17) शामिल किया जाएगा, क्योंकि ऋणपत्रों पर ब्याज कारक आय है।

(18) शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह अन्तरण आय है।

(19) शामिल किया जाएगा, क्योंकि यह देश की घरेलू सीमा में निवासियों द्वारा किये गये उत्पादन पर व्यय है।

(20) शामिल किया जाएगा, क्योंकि यह स्थिर पूँजीगत सम्पति का निर्माण है।

Q. 2. कारण बताते हुए समझाइए कि क्या निम्नलिखित भारत की घरेलू (देशीय) आय में शामिल होंगे?

(1) गैर निवासी भारतीयों द्वारा भारत में स्थित इनके परिवारों को भेजी गई धनराशि।

(2) भारत में जापान के दूतावास द्वारा निवासी भारतीयों को दिया गया किराया।

(3) भारत में विदेशी बैंक की शाखा द्वारा अर्जित लाभ।

(4) भारत में स्थित दूतावास द्वारा अपने स्टॉफ को वेतन की अदायगी।

(5) भारतीय सरकार द्वारा विदेश में कार्यरत फर्मों से ब्याज की प्राप्ति।

(6) भारत सरकार द्वारा छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियाँ।

उत्तर. (1) भारत की घरेलू आय में शामिल नहीं होगी क्योंकि यह एक हस्तांतरण भुगतान है।

(2) शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि किराया जापानी दूतावास से प्राप्त हुआ है। जो जापान की घरेलू सीमा का भाग है।

(3) शामिल किया जाएगा क्योंकि यह लाभ भारत की घरेलू सीमा में सृजित किया गया है।

(4) नहीं, क्योंकि भारत में दूतावास भारत की घरेलू सीमा का भाग नहीं है।

(5) नहीं, क्योंकि ब्याज रूपी साधन आय विदेश में सृजित हुई है, भारत की घरेलू सीमा में नहीं।

(6) नहीं, क्योंकि यह हस्तांतरण भुगतान हैं।

प्र. 3. कारण बताते हुए समझाइए कि बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार करना चाहिए?

(i) फर्म द्वारा मैकेनिक को फीस का भुगतान।

(ii) बैंक से लिए गए कार ऋण पर एक व्यक्ति द्वारा किया गया ब्याज का भुगतान।

(iii) फर्म द्वारा अपने प्रयोग के लिए कार खरीदने पर व्यय।

उत्तर. (i) फर्म द्वारा मैकेनिक को फीस का भुगतान सकल घरेलू उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि फर्म के लिए यह एक मध्यवर्ती लागत है और दोहरी गणना से बचने के लिए इसे शामिल नहीं किया जाता।

(ii) यह शामिल नहीं किया जाता क्योंकि यह ऋण उपभोग व्यय के लिए लिया गया है। इसलिए ऋण पर दिया गया ब्याज कारक भुगतान नहीं है।

(iii) यह शामिल किया जाएगा, क्योंकि कार पर किया गया व्यय, एक निवेश व्यय है अत: एक अंतिम व्यय है और राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाएगा।

आंकिक अभ्यास

1.	निम्नलिखित आंकड़ों से 'बिक्री' ज्ञात कीजिए :	(लाख रु.)
	(i) कारक लागत पर निवल वर्धित मूल्य	560
	(ii) मूल्यह्रास	60
	(ii) स्टॉक में परिवर्तन	(–)30
	(iv) मध्यवर्ती उपभोग	1000
	(v) निर्यात	200
	(vi) अप्रत्यक्ष कर	60
2.	निम्नलिखित आँकड़ों से NVA_{FC} ज्ञात करो-	(करोड़ रु.)
	(i) आर्थिक सहायता	40
	(ii) बिक्री	800
	(iii) मूल्यह्रास	30
	(iv) निर्यात	100
	(v) अंतिम स्टॉक	20
	(vi) प्रारम्भिक स्टॉक	50
	(vii) मध्यवर्ती खरीद	500
	(viii) अपने प्रयोग के लिए मशीन का क्रय	200
	(ix) कच्चे माल का आयात	60
3.	निम्नलिखित आँकड़ों से 'मध्यवर्ती उपभोग' ज्ञात कीजिए:-	(लाख रु.)
	(i) उत्पादन का मूल्य	200
	(ii) कारक लागत पर निवल वर्धित मूल्य	80
	(iii) बिक्री कर	15

(iv) आर्थिक सहायता 5

(v) मूल्यह्रास 20

4. निम्नलिखित आँकड़ों से (अ) व्यय विधि के द्वारा NNP_{FC} तथा (ब) मूल्यवर्धित विधि द्वारा ज्ञात करें। (Rs. Crore)

(i) शुद्ध घरेलू पूँजी निर्माण 250

(ii) शुद्ध निर्यात– 50

(iii) निजि अंतिम उपभोग व्यय 900

(iv) उत्पादन का मूल्य:

(a) प्राथमिक क्षेत्र 900

(b) द्वितीयक क्षेत्र 800

(c) तृतीयक क्षेत्र 400

(v) मध्यवर्ती उपभोग का मूल्य

(a) प्राथमिक क्षेत्र 400

(b) द्वितीय क्षेत्र 300

(c) तृतीयक क्षेत्र 100

(vi) स्थायी पूँजी का उपभोग 80

(vii) अप्रत्यक्ष कर 100

(viii) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय 100

(ix) आर्थिक सहायता 10

(x) विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय (–)20

5. निम्न आँकड़ों से (a) बाजार कीमत पर सकल देशीय उत्पाद (GDP_{MP}) तथा (ब) विदेशों से कारक आय ज्ञात कीजिए। **(करोड़ रु.)**

(i) लाभ 500

(ii)	निर्यात	40
(iii)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	1500
(iv)	कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद	2800
(v)	शेष विश्व से निवल चालू अंतरण	90
(vi)	लगान	300
(vii)	ब्याज	400
(viii)	विदेशों को कारक आय	120
(ix)	निवल अप्रत्यक्ष कर	250
(x)	निवल देशी पूँजी निर्माण	650
(xi)	सकल स्थिर पूँजी निर्माण	700
(xii)	स्टॉक में परिवर्तन	50

6. निम्न आंकड़ों से बाजार कीमत पर सकल देशीय उत्पाद (GDP_{MP}) ज्ञात करो।

		(करोड़ रु.)
(i)	घरेलू बिक्री	300
(ii)	निर्यात	100
(iii)	स्वयं उपभोग के लिए उत्पादन	50
(iv)	फर्म X से खरीद	110
(v)	फर्म Y से खरीद	70
(vi)	कच्चे माल का आयात	30
(vii)	स्टॉक में परिवर्तन	60

7. निम्न से (a) घरेलू आय (b) कर्मचारियों का पारिश्रमिक की गणना करें।

		(करोड़ रु.)
(i)	विदेशों से निवल कारक आय	–20

(ii)	शुद्ध निर्यात	10
(iii)	निवल अप्रत्यक्ष कर	50
(iv)	किराया और रॉयल्टी	20
(v)	स्थिर पूँजी का उपभोग	10
(vi)	निजी अंतिम उपभोग व्यय	400
(vii)	निगम कर	10
(viii)	ब्याज	30
(ix)	निवल घरेलू पूँजी निर्माण	50
(x)	लाभांश	22
(xi)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	100
(xii)	अवितरित लाभ	5
(xiii)	मिश्रित आय	23

8. निम्न आँकडों द्वारा आय विधि तथा व्यय विधि से राष्ट्रीय आय ज्ञात कीजिए।

(करोड़ रु.)

(i)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	100
(ii)	निवल पूँजी निर्माण	110
(iii)	सकल पूँजी निर्माण	120
(iv)	निजी अंतिम उपभोग व्यय	800
(v)	शुद्ध निर्यात	70
(vi)	मालिकों का सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में योगदान	55
(vii)	वेतन व मजदूरी	600
(viii)	ब्याज का भुगतान	20

(ix)	लगान	200
(x)	रॉयल्टी	25
(xi)	आर्थिक सहायता	10
(xii)	विदेशों को दी गई निवल साधन आय	30
(xiii)	अप्रत्यक्ष कर	60
(xiv)	लाभ	130

9. निम्नलिखित आँकड़ों से उत्पादन का मूल्य ज्ञात कीजिए- (करोड़ रू.)

(i)	साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि	100
(ii)	मध्यवर्ती उपभोग	75
(iii)	आर्थिक सहायता	5
(iv)	मूल्यह्रास	10
(v)	उत्पाद शुल्क	20

10. निम्नलिखित आँकड़ों से (अ) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद तथा (ब) विदेशों को कारक आय ज्ञात करो- (करोड़ रु.)

(i)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	800
(ii)	लाभ	200
(iii)	लाभांश	50
(iv)	बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद	1400
(v)	किराया	150
(vi)	ब्याज	100
(vii)	सकल घरेलू स्थिर पूँजी निर्माण	200
(viii)	निवल पूँजी निर्माण	200
(ix)	स्टॉक में परिवर्तन	50
(x)	विदेशों से निवल कारक आय	60
(xi)	निवल अप्रत्यक्ष कर	120

आंकिक प्रश्नों के हल

1. NVA_{FC} = बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन – मध्यवर्ती उपभोग – निवल अप्रत्यक्ष कर – मूल्यह्रास

   बिक्री = 560 – (–30) + 1000 + 60 + 60

   = रु. 1710 लाख

2. NVA_{FC} = बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन – मध्यवर्ती उपभोग व्यय – मूल्यह्रास – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

   = 800 + (–30) – 500 – 30 + 40

   = 840 – 560

   = 280 लाख रूपये

3. मध्यवर्ती उपभोग

   = उत्पादन का मूल्य – NVA_{FC} – निवल अप्रत्यक्ष कर - मूल्यह्रास

   = 200 – 80 – (15 – 5) – 20

   = 200 – 80 – 10 – 20

   = 90 लाख रु.

4. NNP_{FC} (व्यय विधि द्वारा)

   = (i) + (ii) + (iii) + (viii) – (vii) + (ix) – (vi) + (x)

   = 250 + 50 + 900 + 100 – 100 + 10 – 80 + (–20)

   = 1110 करोड़ रु.

   NNP_{FC} (मूल्य वृद्धि विधि द्वारा)

   = (iv) – (v) – (vi) – (vii) + (ix) + (x)

   = (900 + 800 + 400) – (400 + 300 + 100) – 80 – 100 + 10 + (–20)

   = 1110 करोड़ रु.

5. (अ) बाजार कीमत पर सकल देशीय उत्पाद (GDP_{MP})

NDP_{FC} = (3) + (1) + (6) + (7)

= 1500 + 500 + 300 + 400

= 2700 करोड़ रु.

GDP_{MP} = NDP_{FC} + निवल अप्रत्यक्ष कर + मूल्यह्रास

[मूल्यह्रास = सकल घरेलू पूँजी निर्माण – निवल घरेलू पूँजी निर्माण)

= 2700 + 250 + [(700 + 50) – 650]

GDP = 3050 करोड़ रु.

(b) विदेशों से कारक आय FIFA

GNP_{FC} = GDP_{MP} – निवल अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से निवल कारक आय (NFIA)

2800 = 3050 – 250 + विदेशों से कारक आय – विदेशों को कारक आय

2800 = 2800 + (विदेशों से कारक आय – 120)

120 करोड़ रु. = विदेशों से कारक आय

6. बाजार कीमत पर सकल देशीय उत्पाद (GVA_{MP})

= बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन – मध्यवर्ती उपभोग

= (300 + 100 + 50) + 60 – [110 + 70 + 30]

= 510 – 210

= 300 करोड़ रु.

7. (a) घरेलू आय = (ii) + (vi) + (ix) + (xi) – (iii)

= 10 + 400 + 50 + 100 – 50

= 510 करोड़ रु.

(b) कर्मचारियों का पारिश्रमिक

= घरेलू आय – (iv) – (viii) – (vii) – (x) – (xii) – (xiii)

= 510 – 20 – 30 – 10 – 22 – 5 – 23

= 400 करोड़ रु.

8. राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) (आय विधि द्वारा)

= (7) + (6) + (8) + (9) + (10) + (14) –(12)

= 600 + 55 + 20 + 200 +25 + 130 – 30

= 1000 करोड़ रू

राष्ट्रीय आय (व्यय विधि द्वारा)

NNP_{FC} = (1) + (2) + (3) + (4) + (5) – (13) + (11) – (12)

= 100 + 110 + 800 + 70 – 60 + 10 – 30

= 1000 करोड़ रू

9. उत्पादन का मूल्य

NVA_{FC}= उत्पादन का मूल्य – मध्यवर्ती उपभोग – निवल अप्रत्यक्ष कर – मूल्यह्रास

उत्पादन का मूल्य = NVA_{FC} + मध्यवर्ती उपभोग + NIT + मूल्यह्रास

= 100 + 75 + (20 – 5) + 10

= 200 करोड़ रु.

10. (अ) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद

GDP_{FC} = (i) + (ii) + (v) + (vi) + [(vii + ix) – viii]

= 800 + 200 + 150 + 100 + [(200 + 50) – 200]

GDP_{FC} = 1300 करोड़ रु.

(ब) विदेशों को कारक आय

GNP_{MP} = GDP_{FC} + निवल अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से निवल कारक आय

1400 = 1300 + 120 + विदेशों से कारक आय – विदेशों को कारक आय

1400 = 1300 + 120 + 60 – विदेशों को कारक आय

1400 – 1480 = – विदेशों को कारक आय

रु. 80 करोड़ = विदेशों को कारक आय